This question paper contains **7** printed pages]

Roll No. **1641-P**

First Year Arts EXAMINATION, 2016

SANSKRIT-I

Paper I

(काव्य, नाटक एवं प्रायोगिक व्याकरण)

Time allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

Part A (खण्ड 'अ') [Marks : **20**]

*Answer all questions (**50** words each).*
***All** questions carry equal marks.*

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **पचास** शब्दों से अधिक न हो । **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

Part B (खण्ड 'ब') [Marks : **50**]

*Answer five questions (**250** words each), selecting **one** question from each Unit.*
***All** questions carry equal marks.*

*प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **250** शब्दों से अधिक न हो । **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

Part C (खण्ड 'स') [Marks : **30**]

*Answer any two questions (**300** words each).*
***All** questions carry equal marks.*

*कोई **दो** प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **300** शब्दों से अधिक न हो । **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

P.T.O.

खण्ड 'अ'

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिये :

(*i*) सभा में मौन किसका आभूषण है ?

(*ii*) धन की कितनी तथा कौन-कौनसी दशाएँ हैं ?

(*iii*) श्रेष्ठ मित्र (सन्मित्र) के लक्षण बताइये।

(*iv*) न्याय के मार्ग से कौन एक कदम भी विचलित नहीं होते ?

(*v*) 'स्वप्नवासवदत्तम्' के नायक उदयन कहाँ के राजा थे ?

(*vi*) 'स्वप्नवासवदत्तम्' नाटक में यौगन्धरायण किस पद से सुशोभित था ?

(*vii*) शिरोवेदना से पीड़ित पद्मावती की शय्या किस स्थान पर बिछाई गयी थी ?

(*viii*) नायिका वासवदत्ता की कोई दो विशेषताएँ लिखिये।

(*ix*) 'स्मृत्वा' में प्रकृति प्रत्यय बताइये।

(*x*) 'नास्त्यौषधम्' का सन्धि-विच्छेद कीजिए।

खण्ड 'ब'

इकाई I

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं, हारा न चन्द्रोज्ज्वला

न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालङ्कृता मूर्धजाः।

वाण्येका समलङ्करोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते

क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम्॥

अथवा

यस्यास्ति वित्तं स नरः कुलीनः, स पण्डितः स श्रुतवान्गुणज्ञः।

स एव वक्ता स च दर्शनीयः, सर्वे गुणाः काञ्चनमाश्रयन्ति॥

इकाई II

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

विपदि धैर्यमथाभ्युदये क्षमा, सदसि वाक्पटुता युधि विक्रमः।

यशसि चाभिरुचिर्व्यसनं श्रुतौ, प्रकृतिसिद्धमिदं हि महात्मनाम्॥

अथवा

आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपुः।

नास्त्युद्यमसमो बन्धुः यं कृत्वा नावसीदति॥

इकाई III

4. निम्नलिखित श्लोकों में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

सुखमर्थो भवेद्दातुं सुखं प्राणाः सुखं तपः।

सुखमन्यत् भवेत् सर्वं दुःखं न्यासस्य रक्षणम्॥

अथवा

पद्मावती बहुमता मम यद्यपि रूपशीलमाधुर्यैः।

वासवदत्ताबद्धं न तु तावन्मे मनो हरति॥

इकाई IV

5. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

यदि तावदयं स्वप्नो धन्यमप्रतिबोधनम्।

अथायं विभ्रमो वा स्याद्, विभ्रमो ह्यस्तु मे चिरम्॥

अथवा

कः कं शक्तो रक्षितुं मृत्युकाले, रज्जुच्छेदे के घटं धारयन्ति ?

एवं लोकस्तुल्यधर्मो वनानां, काले काले छिद्यते रुह्यते च॥

इकाई V

6. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **पाँच** का प्रकृति प्रत्यय/सन्धि-विच्छेद/समास विग्रह लिखिये :

(*i*) लब्ध्वा

(*ii*) दर्शनीया

(*iii*) त्यक्तुम्

(*iv*) विमुच्य

(*v*) वाण्येका

(*vi*) नृपापवादम्

(*vii*) नतोन्नताम्

(*viii*) बुद्धिरप्रतिहता

(*ix*) चातकाधाराः

(*x*) अविकलानि।

(*ii*) करोति

(*iii*) चिन्तयामि

(*iv*) अशक्ता:

(*v*) श्रुतेनैव

(*vi*) नालङ्कृता

(*vii*) तीर्थोदकानि

(*viii*) ह्येकम्

(*ix*) निन्दन्तु

(*x*) नृपसुता।

खण्ड 'स'

इकाई I

7. नीतिशतक की 'विद्वत्पद्धति' का वर्णन कीजिये।

इकाई II

8. 'नीतिशतक की परोपकार पद्धति' का सार लिखिये।

इकाई III

9. 'स्वप्नवासवदत्तम्' के आधार पर वासवदत्ता का चरित्र-चित्रण कीजिये।

इकाई IV

10. 'स्वप्नवासवदत्तम्' नाटक के नाम की सार्थकता बताते हुए इसकी नाटकीय विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।

इकाई V

11. निम्नलिखित शब्दों में प्रकृति प्रत्यय/सन्धि-विच्छेद/समास बताइये :

(*i*) प्रसह्य